

पाठ—29 चौथा,पाँचवाँ....

भीम द्वारा दुर्योधन के आठों भाइयों का वध किया गया ।

भीम पुत्र घटोत्कच द्वारा भीषण आक्रमण किया गया ।

संजय द्वारा युद्ध का आँखों देखा हाल धृतराष्ट्र को बताया गया ।

द्रोण द्वारा पांडव सेना को तहस—नहस किया गया ।

आज का युद्ध इतना भयंकर था कि युधिष्ठिर ने धृष्टद्युम्न और भीमसेन के सकुशल शिविर में लौट आने पर बड़ा आनंद मनाया ।